रामायण में दर्शाये पात्र का हमारे जीवन से सम्बन्ध

जानें....

महावीर अर्थात् अभिमान और अनुमान का हनन करने वाले

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

- गतांक से आगे...

शबरी के एक-एक बेर को राम ने स्वीकार किया। उनका अपमान नहीं किया। लेकिन लक्ष्मण को गुस्सा आ रहा था अन्दर से। ये राम कहाँ बैठ गये, झूठे बेर खा रहे, अरे बेर ही खाना था तो मैं जंगल से ले आता। माता सीता को ढूंढने निकले और यहाँ टाइम वेस्ट कर रहे हैं। उसको गुस्सा आ रहा था। राम ने तो बेर स्वीकार किये, लक्ष्मण को कहा लो 'बहुत मीठा है' आप भी खाओ। लेकिन लक्ष्मण फेंक दिया, स्वीकार नहीं किया। कई बाबा के बच्चे भी उन गरीब शबरियों का अपमान करते हैं। और जो अपमान करते हैं.... अपमान का फल भी रामायण के अन्दर दिखाया, कि लक्ष्मण को मूर्छा आती है और जब मूर्छा आती है तो कौन-सी जड़ी-बूटी काम आयी? वही झूठे बेर, जो पेड़ बन करके निकले थे। पूरा पेड़ का पेड़ जैसे कि उसके लिए जड़ी-बूटी के रूप में काम में आया। तब वो मूर्छा से बाहर आया। इसलिए याद रखना कभी-भी कोई गरीब बाबा के बच्चों का अपमान न हो जाये। क्योंकि अपमान हुआ तो मूर्छा ज़रूर आयेगी।

इतनी सुन्दर रामायण हमें बातें सिखाती है। हमारा ब्राह्मण जीवन है। जाने-अनजानेपन में भी हम ज्ञानी तू आत्मा का लक्षण यही होना चाहिए कि हर आत्मा कोई साधारण हो, अमीर हो, साहूकार हो, कैसी भी आत्मा हो, लेकिन उसका अपमान हमसे नहीं होना चाहिए। उनको सम्मान दो। इसलिए श्री राम को मूर्छा नहीं आयी। ज्ञानी तू आत्मा को मुर्च्छा कभी नहीं आयेगी, अगर सम्मान देंगे तो। कई प्रकार के दुनिया के 'नागपाश' हमें डसने का प्रयत्न करेंगे। इसलिए ब्राह्मण जीवन सहज, सरल हो, तो उसके लिए हर आत्मा का सम्मान करें। क्योंकि कभी-कभी वो साधारण आत्मायें भी आगे के रास्ते दर्शाने के लिये निमित्त बन जाती हैं। और इसीलिए जब ज्ञानी तू आत्मा ने पूछा कि अब आगे मुझे कहाँ जाना है? तो कहा कि ऋषिमुख पर्वत पर हनुमान आपका इंतज़ार कर रहा है। आपका भक्त आपके इंतज़ार में बैठा है। आगे के डायरेक्शन शायद कभी-कभी उनके मुख से भगवान ऐसी बात बुलवाते हैं, जो बात हमारे लिए बहुत काम की हो जाती है। हमारे पुरुषार्थ के मार्ग में सरलता, सहजता एक रियलाइज़ेशन करा देती है। और इसीलिए ऐसी साधारण आत्मा का भी सम्मान करो।

अनुमान अगर पनपने दिया तो हनुमान कभी नहीं बन सकते, महावीर आत्मा नहीं बन सकते। तो जिसने अनुमान और अभिमान का हनन किया, वही हनुमान है। तो ऐसी महावीर आत्मा हमें बनना है। अभिमान रिंचक न हो तभी राम के यथार्थ रूप में मददगार बन सकते हैं।

बाबा के जीवन कहानी में ये बात आती है कि बाबा के सामने एक भीलनी होती थी, और भीलनी नहा-धोकर, स्वच्छ होकर, बाबा के लिये कुछ-न-कुछ भोग बनाकर लाती और बाबा स्वीकार कर लेते। कईयों ने बाबा को कहा कि बाबा – ये 'भीलनी' ले आई है, उसको आप कैसे स्वीकार करते हैं? बाबा ने कहा, उस बच्ची ने नहा-धोकर, इतना स्वच्छ होकर, इतना प्यार से ये बनाया है, बाबा कैसे स्वीकार नहीं करेगा? और वो भीलनी एक रूपया लेकर आती और बाबा को कहती कि बाबा मेरी भी एक ईंट लगा देना। उसी भीलनी का गायन है जो आज तक मुरली में आता है कि एक रूपया भी ईंट के लिए भेज देती है और बाबा कहता है उसका एक रूपया साहूकार के पाँच हज़ार के बराबर हो जाता है। पाँच हज़ार क्या, कभी बाबा दस हज़ार कह देते हैं, कभी बाबा अनगिनत कह देते हैं। इतनी बाबा ने वैल्यू की। तो इसी तरह साधारण आत्मा का कभी भी हमें अपमान नहीं करना चाहिए। और फिर ऋषिमुख पर्वत पर जाने से ही वहाँ हनुमान जी मिलते हैं। हनुमान यानी महावीर। महावीर कैसे होते हैं, किसको महावीर कहते हैं? जिसने अभिमान और अनुमान का हनन किया है, उसको कहा जाता है हनुमान। अभिमान और अनुमान अक्सर ब्राह्मणों में ये भी एक माया आती है। ज़रूर ऐसा होगा। ये बात ज़रूर ऐसे होगी, तभी ये कहा। माना अनुमान अगर पनपने दिया तो हनुमान कभी नहीं बन सकते, महावीर आत्मा नहीं बन सकते। तो जिसने अनुमान और अभिमान का हनन किया, वही हनुमान है। तो ऐसी महावीर आत्मा हमें बनना है। अभिमान रिंचक न हो तभी राम के यथार्थ रूप में मददगार बन सकते हैं।

कहा जाता है कि हनुमान अपनी स्मृति, विस्मृत हो गया था क्योंकि कितनी शक्ति और क्षमता है, तब सभी ने उसको स्मृति दिलाने का काम किया– तुम्हारे अन्दर तो अथाह शक्ति है। अनगिनत शक्ति है। तुम ऐसे हिम्मत नहीं हार सकते। तुम्हें तो राम का मददगार बनना है, असम्भव को सम्भव कर देना है। वो स्मृति स्वरूप जैसे हो गया, वो स्वमान में स्थित हो गया, तो समुद्र लांघने का काम कर देता है।

- क्रमशः

अम्बिकापुर-चोपड़ापारा(छ.ग.)। राष्ट्रीय शिक्षक दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के नव विश्व भवन सेवाकेन्द्र में शिक्षकों के लिए आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में सरगुजा संभाग की ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. विद्या दीदी, पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. राम पाण्डे, होली क्रॉस वुमेन्स महाविद्यालय प्राचार्य सिस्टर शांता जोसेफ, सरस्वती शिक्षा महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रद्धा मिश्रा, राजमोहिनी कृषि महाविद्यालय के पूर्व अधिष्ठाता वी.के. सिंह सहित शहर के विभिन्न महाविद्यालयों से लेकर शासकीय एवं निजी स्कूलों के शिक्षक, ब्र.कु. प्रतिमा बहन व अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

छतरपुर-किशोर सागर(म.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मध्य प्रदेश दिव्यांग समानता, संरक्षण एवं सशक्तिकरण अभियान' के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक न्याय विभाग से ए.आई. खान सहित अन्य अधिकारीगण, प्रगतिशील दिव्यांग संसार की समस्त शिक्षिकाओं सहित शिक्षिका साधना असाटी, साइन लैंग्वेज शिक्षिका नीलम पटेल, सीडब्ल्यूएसएन से दिव्यांग बच्चों की शिक्षिका सुनीता अहिरवार, दिव्यांग हेल्प फाउंडेशन एवं विकलांग कल्याण समिति के युवा भाई, समाजसेवी संजय शर्मा, सत्यशोधन आश्रम संचालक देवेंद्र भंडारी एवं इन संस्थाओं के सभी बच्चों सहित भोपाल से आये ब्र.कु. दीपेन भाई, लवकुश नगर के अखिलेश मिश्रा, सागर से आईं ब्र.कु. कल्पना बहन, छतरपुर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शैलजा बहन, दिव्यांग नेशनल व्हीलचेयर क्रिकेट विजेता एवं मैराथन में कई बार विजयी होने वाले बसंत कुमार, संतोष कुशवाहा, उमेश मौर्या, रिजवान खान आदि शामिल रहे।

टोंक-राज.। 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज़ एवं नेहरू युवा केंद्र टोंक के संयुक्त तत्वाधान में ब्रह्माकुमारीज़ राजयोग भवन परिसर में अमृत कलश यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. अपर्णा दीदी, नेहरू युवा केंद्र के जिला युवा अधिकारी हितेश कुमार, केंद्र के लेखा एवं कार्यक्रम सहायक तुलसीराम मीणा तथा बड़ी संख्या में ब्र.कु. भाई-बहनें शामिल रहे।

हाथरस-तपस्या धाम(उ.प्र.)। पुलिस अधीक्षक देवेश कुमार पांडे को रक्षासूत्र बांधते हुए वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका,सह जनपद प्रभारी ब्र.कु. भावना बहन।

सांगानेर-जयपुर(राज.)। एसीपी विनोद कुमार शर्मा को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. पूजा बहन। साथ हैं ब्र.कु. आभा बहन।

हाजीपुर-जधुआ(बिहार)। एसएचओ अस्मित कुमार,टाउन थाना प्रभारी,हाजीपुर वैशाली को रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन।

अयोध्या-उ.प्र.। एसडीएम महेंद्र कुमार सिंह को परमात्म संदेश देने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. सुधा बहन व ब्र.कु. उषा बहन।

For Online Transfer

Name: OM SHANTI MEDIA OF RERF
Pay Directly to: osmorerf@indianbank

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan, Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319
Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
सम्पर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - 240 रूपये, तीन वर्ष - 720 रूपये, आजीवन - 6000 रूपये
Website: www.omshantimedia.org